(b) whether Government are aware that their daily income is quite high, sometime Rs. 1,000/- to Rs. 5,000/- per day;

(c) what was the number of such persons on whom income-tax was levied during 1989; and

(d) if the answer to part (a) above be in the negative, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF FINANCE (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) Survey of business and commercial premises is carried out regularly under the provisions of section 133B of the Income-tax Act at all places including metropolitan cities for the purpose of discovering persons having taxable income but who are hitherto not assessed to tax. Such a survey includes the survey of business premises of the type of persons mentioned in part (a) of the Question.

(b) and (c) During the calendar year 1989, a total number of 4,23,371 new income-tax assessees filed returns of income, which included 3052 returns showing income exceeding Rs. 2 lakhs.

(d) In view of reply to part (a) above, does not arise.

लेखापरीक्षा विभाग के विदेशों में कार्यरत कार्यालय

2077. श्रीमती सत्या बहिन: क्या वित्तमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय लेखा विभाग के कार्यालय विदेशों में भी हैं, यदि हां, तो इन कार्यालयों में कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों की नियुक्ति में क्या कार्यविधि अपनाई जाती है; और

(ख) क्या इन कार्यालयों में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के व्यक्ति भी कार्यरत हैं, यदि हां, तो उक्त कार्यालयों में कार्य कर रहे उक्त वर्ग के प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या क्या है ; और

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (ख) का उत्तर "ना" हो तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते): (क) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग के विदेशों में दो लेखा परीक्षा कार्यालय हैं जो एक लंदन में तथा दूसरा वाशिंगटन में है । समूह "क" के पद भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के संवर्ग पद हैं और उनको उसी तरीके से भरा जाता है जैसा कि भारत में संवर्गगत पदों को भरा जाता है । समूह "ख" और "ग" अधिकारियों का चयन भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा विभाग के विभिन्न कार्यालयों में इच्छुक उम्मीदवारों में से किया जाता है । नियंत्रक महालेखा परीक्षक के कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति द्वारा जांच तथा साक्षात्कार के बाद एक पैनल तैयार किया जाता है जिसमें से तैनातियां की जाती हैं । कुछ समूह "ग" और "घ" कर्मचारी स्थानीय तौर पर भर्ती किये जाते हैं ।

(ख) और (ग) विदेशों में स्थित लेखा-परीक्षा कार्यालयों में पदों के लिये चयन विस्तृत क्षेत्र से तथा व्यापक आधार पर किया जाता है। जबकि इन कार्यालयों में इस समय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का कोई अधिकारी काम नहीं कर रहा है किन्तु जैसा कि नीचे बताया गया है इन कार्यालयों में अनुसूचित जाति समुदाय के अधिकारियों ने भी काम किया था तथा उनमें से एक अधिकारी ने अगस्त, 1989 के अन्त तक लंदन में काम किया :

श्रेणी	सं०	स्थान	अवधि
समूह "क"	1	वाशिंगटन	1982–84
समूह "ख"	1	लंदन	1986–89
समूह "ग"	1	लंदन	1980–84